समाज और संत के बीच लोक कल्याण हेतु सेतु बननेवाला महापुण्य का भागी होता है ।

संत श्री आशारामजी आश्रम द्वारा प्रकाशित

मूल्य : ₹ ३.५०

लोक कल्याण सेतु

● प्रकाशन दिनांक : १५ अक्टूबर २०१३ ● वर्ष : १७ ● अंक : ०४ (निरंतर अंक : १९६)

मासिक समाचार पत्र

जो मीडियावाले निर्दोष पूज्य बापूजी को बदनाम करने के लिए झूठी, निराधार, मनगढ़ंत कहानियाँ बना-बनाकर दिखा रहें हैं, क्या उन्होंने देश-विदेश में बापूजी के समर्थन में हो रही असंख्य रैलियों, धरनों, वैदिक यज्ञों, संत-सम्मेलनों को कभी दिखाया ? यह सवाल दुष्प्रचार की पोल खोलने के लिए काफी है ।

कुछ दिनों से लगातार मीडिया में आकर बापूजी व आश्रम पर झूठे आरोप लगानेवालों की असलियत

(विस्तृत रूप से पढ़ें अंदर के पृष्ठों पर)

अनर्गल आरोप लगानेवाले इस अमृत प्रजापति ने सन् २००८ में जाँच आयोग के समक्ष खुद स्वीकार किया था कि **'मैंने मेरी पत्नी को बुरका पहनाकर बापूजी के खिलाफ बयान देने के लिए पत्रकारों के समक्ष पेश किया था।'**

महेन्द्र चावला ने भी आश्रम पर झूठे आरोप लगाये, बाद में जाँच आयोग के समक्ष उनकी असत्यता स्वीकार की और आज उन्हीं आरोपों को पुनः दोहरा रहा है।

भोलानंद का असली नाम ब्रजबिहारी गुप्ता है। इसने बापूजी के खिलाफ बलात्कार की झूठी एफआईआर लिखवाने के लिए अपनी माँ के कपड़े खोल के उनको पटक-पटककर पीटा। इस हैवान ने तो अपने पिताजी को बोरे में डालकर मरवा दिया। अभी जम्मू पुलिस इसके पीछे लगी हुई है।

देशभर के प्रमुख संत श्री आशारामजी आश्रमों में लाखों लोगों ने सर्वपित्री अमावस्या के दिन सामूहिक श्राद्ध करके अपने पितरों का आशीर्वाद पाया। श्राद्ध कार्यक्रमों की एक झलक...

अहमदाबाद

सूरत

अहमदनगर (महा.)

जयपुर

रायता (महा.)

गोधरा (गुज.)

लुधियाना

नासिक (महा.)

वापी (गुज.)

जालंधर (पंजाब)

दिल्ली

सम्बलपुर (ओड़िशा)

रायपुर (छ.ग.)

कोलकाता

हिम्मतनगर (गुज.)

राजकोट (गुज.)

रजोकरी (दिल्ली)

पेटलावद (म.प्र.)

सागर (म.प्र.)

नागपुर (महा.)

वासद, जि. बड़ौदा

स्थानाभाव के कारण सभी तस्वीरें नहीं दे पा रहे हैं। अन्य अनेक तस्वीरों हेतु वेबसाइट www.ashram.org देखें।

लोक कल्याण सेतु

मासिक समाचार पत्र

(हिन्दी, गुजराती, मराठी व ओड़िया भाषाओं में प्रकाशित)

वर्ष : १७ अंक : ०४

भाषा : हिन्दी (निरंतर अंक : १९६)

प्रकाशन दिनांक : १५ अक्टूबर २०१३ मूल्य : ₹ ३.५०

स्वामी : संत श्री आशारामजी आश्रम

प्रकाशक और मुद्रक : राजेश बी. कारवानी

प्रकाशन-स्थल : संत श्री आशारामजी आश्रम, मोटेरा, संत श्री आशारामजी बापू आश्रम मार्ग, साबरमती, अहमदाबाद-३८०००५ (गुजरात)

मुद्रण-स्थल : हरि ॐ मैन्युफेक्चरर्स, कुंजा मतरालियों, पौंटा साहिब, सिरमौर (हि.प्र.) - १७३०२५.

सम्पादक : सिद्धनाथ अग्रवाल

सदस्यता शुल्क :

भारत में : (१) वार्षिक : ₹ ३० (२) द्विवार्षिक : ₹ ५० (३) पंचवार्षिक : ₹ ११० (४) आजीवन : ₹ ३००

विदेशों में : (१) पंचवार्षिक : US $ 50 (२) आजीवन : US $ 125

सम्पर्क पता : 'लोक कल्याण सेतु' कार्यालय, संत श्री आशारामजी आश्रम, संत श्री आशारामजी बापू आश्रम मार्ग, साबरमती, अहमदाबाद-५ (गुज.)

फोन : (०७९) ३९८७७७३९/८८, २७५०५०१०/११.

★ e-mail : lokkalyansetu@ashram.org ⁕ ashramindia@ashram.org

★ web-site : www.lokkalyansetu.org ⁕ www.ashram.org

Opinions expressed in this news paper are not necessarily of the editorial board. Subject to Ahmedabad Jurisdiction.

'लोक कल्याण सेतु' के सदस्यों से निवेदन है कि कार्यालय के साथ पत्र-व्यवहार करते समय अपना रसीद क्रमांक और सदस्यता क्रमांक अवश्य लिखें।

इस अंक में...

- दुर्बलता छोड़ो, बलवान बनो ! ३
- आप किस पर विश्वास करोगे ? ५
- इतना भयंकर षड्यंत्र आखिर क्यों ? ६
- 'राज्य महिला आयोग' को नहीं मिली आशारामजी बापू के खिलाफ कोई शिकायत ६
- पूज्य बापूजी और आश्रम के खिलाफ जहर उगलनेवाले साँपों की हकीकत ७
- अपने ही जाल में फँसता जा रहा है भोलानंद १०
- निर्दोष, निष्कलंक बापू ११
- पूज्य बापूजी व उनके परिवार पर आरोप एक काल्पनिक कहानी है १२
- मेरठ की छात्रा के पिता ने बापू को दी क्लीन चिट १३
- लड़की की कहानी विश्वास करने योग्य नहीं है १४
- आशारामजी बापू के परिवार के साथ ज्यादती हो रही है १४
- सब्जियों द्वारा स्वास्थ्य-सुरक्षा १५
- हिन्दू आस्था पर कुठाराघात का राजनैतिक षड्यंत्र १५
- निर्दोष पूज्य बापूजी की रिहाई के लिए देश-विदेश में हो रहे हैं सम्मेलन, जप, यज्ञ, विरोध-प्रदर्शन आदि १६
- बहुत बड़े षड्यंत्र की बू आ रही है १८
- सच्चे पथिक कभी भटकते नहीं १८

विभिन्न टीवी चैनलों पर पूज्य बापूजी का सत्संग

A2Z NEWS	आस्था ^OZ	care WORLD	सत्य	मंगलमय चैनल
रोज प्रातः ३, ५-३०, ७-३० बजे, रात्रि १० बजे व दोप. २-४० (केवल मंगल, गुरु, शनि)	रोज रात्रि ९-२० बजे	रोज सुबह ७-०० बजे	रोज दोपहर २-०० बजे	www.ashram.org पर उपलब्ध

दुर्बलता छोड़ो, बलवान बनो !

- पूज्य बापूजी

मनुष्य-जीवन बहुत अनमोल है, हमें इसकी कीमत का पता नहीं है। जो मन में आया सो खा लिया... जो मन में आया सो पी लिया... इन सबसे जप-ध्यान में तो अरुचि होती ही है, साथ ही विषय-विकारों में, मेरे-तेरे में, निंदा-स्तुति में व्यर्थ ही अपना समय खो देते हैं। फिर न तो अपने किसी काम में आ पाते हैं और न ही समाज के।

यदि आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर होना है तो साधक को विशेष सावधानी रखने की जरूरत है। जिसे आध्यात्मिक लाभ की कद्र नहीं, जिसके जीवन में दृढ़ व्रत नहीं है, दृढ़ता नहीं है और जो भगवान का महत्त्व नहीं जानता, उसको भगवान के धाम में भी रहने को मिल जाय फिर भी वहाँ से गिरता है बेचारा। जय-विजय भगवान के धाम में रहते थे किंतु भगवान के महत्त्व को नहीं जानते थे तो गिरे। जो अपने जीवन का महत्त्व जितना जानता है, उतना ही सत्संग का, महापुरुषों का महत्त्व जानेगा। जिसको मनुष्य-जन्म की कद्र नहीं है, वह अभागा महापुरुषों की, सत्संग की भी कद्र नहीं कर सकता। जिसको अपनी मनुष्यता की कद्र है, उसको संतों की भी कद्र होगी, सत्संग की भी कद्र होगी। वह अपनी वाणी को व्यर्थ नहीं जाने देगा, अपने समय को व्यर्थ नहीं जाने देगा, अपनी सेवा में निखार लायेगा, अपना कोई दुराग्रह नहीं रखेगा, गीता के ज्ञान में दृढ़व्रती होगा।

भजन्ते मां दृढव्रताः ।

ईश्वर के मार्ग पर एक बार कदम रख दिया, चल पड़े तो पीछे न मुड़ना । जिज्ञासु के हृदय की पुकार होती है, पक्के मर्दों के दिल की आवाज होती है कि जो करना है सो करना है, जो पाना है सो पाना है । कंठगत प्राण आ जायें तो भी वापस नहीं मुड़ना है । ईश्वर के मार्ग पर कदम रखनेवाले वे ही लोग पहुँचते हैं जो दृढ़निश्चयी होते हैं । परमात्मा के मार्ग पर वे ही वीर चल पाते हैं जिनके अंदर अथाह उत्साह, महान सहनशक्ति, सुदृढ़ विचारबल होता है । वे ही इस मार्ग के पथिक हो पाते हैं ।

इस अमूल्य मानव-देह को पाकर भी इसकी कद्र न की तो फिर मनुष्य-जन्म पाने का क्या अर्थ है ? फिर तो जीवन व्यर्थ ही गया । यह मनुष्य-जन्म फिर से मिलेगा कि नहीं, क्या पता ? अतः सदैव याद रखें कि यह मनुष्य-जन्म आत्मज्ञान, आत्मानुभव एवं अखंड आनंद की प्राप्ति के लिए ही मिला है । परमात्मा के साथ एक हो जाने के लिए मिला है । ब्रह्मानंद की मधुर बंसी बजाने के लिए मिला है । इसे व्यर्थ न खोयें । जीवनरूपी साज टूट जाय, इसकी मधुर धुन निकालने की क्षमता समाप्त हो जाय उसके पहले किसी समर्थ सद्गुरु की सीख दिल में उतारकर निश्चिंत हो जाओ ।

इस जीवात्मा में अद्भुत शक्ति है । वह जैसा बनना चाहता है, जो पाना चाहता है, यदि उससे मुड़े नहीं, थके नहीं तो वह पाकर ही रहता है । पुरुषार्थ और धीरज न छोड़े तो वह चीज उसको मिलकर ही रहती है ।

जेहि कें जेहि पर सत्य सनेहू ।
सो तेहि मिलइ न कछु संदेहू ॥

(श्री रामचरित. बा.कां. : २५८.३)

ध्रुव भगवान विष्णु को पाना चाहता था तो वे उसे मिले । शबरी भगवान रामजी के दर्शन करना चाहती थी तो रामजी उससे मिलने आये । धन्ना जाट सिलबट्टे में ठाकुरजी को बुलाना चाहता था तो ठाकुरजी प्रकट हुए । समर्थ रामदास के ८ वर्ष के भाई रामी रामदास मूर्ति से हनुमानजी को प्रकट करना चाहते थे तो हनुमानजी प्रकट हुए, वार्तालाप भी हुआ और आशीर्वाद भी मिला । वे ८ वर्ष की उम्र में सुप्रसिद्ध हो गये ।

थकना नहीं है, मुड़ना नहीं है । जप करना है तो करना है । नियम ले लिया है, इतनी माला करनी है तो उतनी करके ही रहे । छः महीने तक का नियम लिया है तो छः महीने तक दृढ़ता से उसे पकड़े रखे । जो भी शुभ एक बार ठान ले, उसको पूरा ही करे । भगवान कहते हैं :

'दृढ़निश्चयी भक्त मुझको सब प्रकार से जते हैं ।' (गीता : ७.२८)

दृढ़व्रती होकर भजन करे । अशुभ को निकालने का ठान ले तो उसको निकालकर ही छोड़े । **जहाँ चाह वहाँ राह ।** असम्भव कुछ भी नहीं है किंतु थोड़ा धीरज चाहिए और उसके योग्य दृढ़ संकल्प भी चाहिए ।

बलहीन को आत्मा-परमात्मा की प्राप्ति नहीं होती । बलवान बनो ! परिस्थिति चाहे कितनी ही विषम क्यों न आ जाय, निर्भयता के साथ अपने कर्तव्य-मार्ग पर आगे बढ़ते जाओ । न दुष्ट बनो, न दुष्टों के आगे घुटने टेको । दुर्बलता छोड़ो, हीन विचारों को तिलांजलि दो । उठो... जागो... ❐

''मैं पहले एक बहुत बड़ी मीडिया कम्पनी में था । जो लोग मीडिया में काम करते हैं, उनके फोन मेरे पास आते हैं कि तुम लोग ५० दिन से बापूजी के लिए जंतर-मंतर पर बैठे हो । इसका बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ रहा है । तुम्हारे साधक भाई सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा सक्रिय हो गये हैं । जो भी कुछ आरोप, षड्यंत्र मीडिया चैनल दिखा जाते हैं, तुम उनकी हवा निकाल देते हो । आपके लोग सोशल मीडिया के जरिये उन कुप्रचारकों के आरोपों का खंडन करके और अपने अनुभव रखकर षड्यंत्र की हवा निकाल देते हैं ।''

– श्री विजय पंडिता
डायरेक्टर, वेबगुरु डिजिटल मार्केटिंग

आप किस पर विश्वास करोगे ?

– महानिर्वाणी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी श्री नित्यानंदजी महाराज

मैंने बापूजी के केस का पूरी तरह से अध्ययन किया है और सारी जानकारी ली है। मैंने कुछ डॉक्टरों से भी परामर्श लिया जो इस तरह की मेडिकल रिपोर्ट बनाते हैं। मैंने उनसे इस रिपोर्ट के आधार पर कानूनी अभिप्राय माँगा तो उन्होंने कहा : ''स्वामीजी ! मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर हम १०० प्रतिशत, निश्चित रूप से कह सकते हैं कि न रेप है और न ही रेप की कोशिश की गयी है और यौन उत्पीड़न का भी केस नहीं है क्योंकि किसी भी नाबालिग की त्वचा बहुत ही मुलायम होती है और अगर कोई उत्पीड़न होता तो उसके निशान रहते।''

आप समझते हो ! १२-१३ साल पहले कोई तथाकथित घटना होती है। कोई महिला आती है और वह कहती है तो आप उस पर विश्वास करोगे या फिर उस पुरुष पर जिसने अपना पूरा जीवन विश्व-कल्याण के लिए लगा दिया ? वे बोल रहे हैं २००२ में घटना घटी। वे सब स्पष्ट रूप से जानते हैं कि उनका केस न्यायालय में नहीं टिक पायेगा। ११ वर्ष तक किसी भी महिला का चुप रहना असम्भव है। अब २०१३ चल रहा है, ११ साल के बाद वे आते हैं और झूठा मामला दर्ज कराते हैं !

पुलिस भी जानती है कि यह केस न्यायालय में जाने लायक नहीं है। शायद पुलिस इस केस में चार्जशीट भी दायर नहीं करेगी।

तथाकथित हिन्दू गुरु, जिन्होंने आशाराम बापू और अन्य हिन्दू गुरुओं को दुर्वचन कहे, उनसे आपको प्रश्न पूछना चाहिए, उनको पाठ सिखाना चाहिए। अभी मैं यहाँ महानिर्वाणी अखाड़े का महामंडलेश्वर होने के नाते अपना पक्ष स्पष्ट रूप से रखता हूँ कि किसी भी हिन्दू संत को यह अधिकार नहीं है कि वे किसी दूसरे हिन्दू संत की निंदा करें। उनमें से बहुत लोग जो आशारामजी बापू पर टीका-टिप्पणी कर रहे हैं, वे संत ही नहीं हैं। उनकी हिम्मत कैसे हुई यह कहने की कि 'आशारामजी बापू संत नहीं हैं !' अब मैं कहता हूँ कि जो भी बापू की निंदा कर रहे हैं, वे संत नहीं हैं।

सभी भक्त और शिष्य यह स्पष्ट रूप से निर्णय कर लें (और अपने गुरु से कहें) कि 'यदि आप दूसरे हिन्दू गुरुओं की निंदा करेंगे तो हम आपका बहिष्कार करेंगे।' अगर आप इस समय आशारामजी बापू का समर्थन नहीं करना चाहते तो कम-से-कम चुप रहो। मैं आपको और पूरे देश को स्पष्ट रूप से कह रहा हूँ - जो बापूजी को गलत बता रहे हैं, मैं उन गुरुओं को जिन्हें लोग 'गुरु' कहते हैं, 'गुरुजी' कहते हैं, इस समय चुनौती देता हूँ... मैं उनसे एक सीधा प्रश्न पूछता हूँ कि क्या आपने भक्तों की प्रेरणा को जीवित रखने के लिए आशारामजी बापू का उपयोग नहीं किया है ? क्या आपने उनके कठिन परिश्रम से लाभ नहीं लिया है ? तो फिर आपको उनके कठिन परिश्रम के प्रति कृतज्ञता क्यों नहीं है ? ये लोग कम्युनिस्ट और नास्तिक संस्था के नेताओं की तरह बात कर रहे हैं। आप समझो ! आप लोग आस्था पर आधारित संस्था के अधिष्ठाता हो। अगर हमें ईमानदारीपूर्वक विश्वास है कि यह सब झूठ है तो हमें आशारामजी बापू का समर्थन करना चाहिए। अगर विश्वास नहीं है, अगर संदेह है तो कम-से-कम चुप रहें।

तुम क्यों सब जगह जा-जाकर गलत बोल रहे हो जबकि न्यायालय में अभी तक कुछ भी साबित नहीं हुआ है। तुम देश के न्यायालय पर विश्वास क्यों नहीं रखते ? तुम न्यायालय के निर्णय आने तक इंतजार क्यों नहीं करते ? तुम वक्तव्य देने के लिए उतावले क्यों हो रहे हो ? अगर आपको लगता भी है कि कुछ हुआ है तो जब तक न्यायालय निर्णय न ले ले तब तक चुप रहिये। ❐

इतना भयंकर षड्यंत्र आखिर क्यों ?

✻ पूज्य बापूजी सबको मंत्र-चिकित्सा, ध्यान, प्राणायाम, सादा रहन-सहन, स्वदेशी वस्तुएँ एवं स्वदेशी आयुर्वेदिक चिकित्सा को अपनाने की सीख देते हैं, फूँकने-थूकनेवाले 'हैप्पी बर्थ-डे' की जगह भारतीय पद्धति से जन्मदिवस मनाने की प्रेरणा देते हैं। इससे विदेशी कम्पनियों का प्रतिवर्ष कई हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है।

✻ बापूजी के सत्संग से लोगों में सनातन धर्म व भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था बढ़ने से देशविरोधी तत्त्वों को तकलीफ होती है।

✻ बापूजी धर्मांतरणवालों के लिए भारी रुकावट हैं इसलिए वे लोग सत्ता की सहायता से बापूजी और हिन्दू संतों को हर प्रकार से झूठे इल्जामों में फँसा रहे हैं। बापूजी आदिवासियों में अन्न, वस्त्र, बर्तन, गर्म भोजन के डिब्बे, कम्बल, दवाएँ, तेल आदि जीवनोपयोगी सामग्रियाँ बाँटते रहे हैं। इससे धर्मांतरण करनेवालों का बोरिया-बिस्तर बँध जाता है।

✻ कई मीडियावाले पैसों के लिए तो कई टीआरपी बढ़ाने के लिए कुछ-का-कुछ दिखाते रहते हैं।

✻ पूज्य बापूजी के सत्संग से लोग महँगी दवाओं और बिनजरूरी ऑपरेशनों से बच रहे हैं, जिससे कई लूटनेवालों की बिक्री में भारी कमी आती है।

✻ बापूजी की प्रेरणा से चल रहे 'युवाधन सुरक्षा अभियान' तथा गुरुकुलों व बाल संस्कार केन्द्रों के असाधारण प्रतिभासम्पन्न विद्यार्थियों द्वारा ओजस्वी-तेजस्वी भारत का निर्माण हो रहा है।

✻ बापूजी के सत्संग एवं उनकी प्रेरणा से चल रहे 'व्यसनमुक्ति अभियान' से करोड़ों लोगों की शराब, सिगरेट, गुटखा आदि व्यसन छूटते हैं। साथ ही लोग अश्लील सामग्रियों से भी बचते हैं। इससे विदेशी कम्पनियों का खरबों रुपये का नुकसान होता है।

इनके अलावा और भी कई कारण हैं जिनसे कभी ईसाई मिशनरियाँ, कभी विदेशी कम्पनियाँ तो कभी कोई और, मीडिया को मोहरा बनाकर हिन्दू संस्कृति व बापूजी जैसे संतों के विरुद्ध षड्यंत्र करते रहते हैं।

– पी. दैवमुत्थु, सम्पादक, 'हिन्दू वॉइस' मासिक पत्रिका

'राज्य महिला आयोग' को नहीं मिली आशारामजी बापू के खिलाफ कोई शिकायत

दैनिक जागरण, नई दिल्ली। गुजरात महिला आयोग की अध्यक्षा लीला बहन अंकोलिया के नेतृत्व में एक महिला पुलिस अफसर और जाँच दल ने आशारामजी बापू के मोटेरा (अहमदाबाद) स्थित महिला आश्रम का दौरा किया। एसआईटी आयोग की टीम ने सभी महिलाओं से एक-एक करके अकेले में पूछताछ की और यह जानने की कोशिश की कि कहीं कोई महिला आशाराम बापू के द्वारा प्रताड़ित तो नहीं की गयी है। लेकिन आयोग को कोई भी शिकायत नहीं मिली।

उल्लेखनीय है कि आश्रम से निकाले गये कुछ गद्दारों ने अपनी गंदी जुबान से जो मनगढ़ंत, कल्पित कहानियाँ रचीं, उन्हें पुख्ता सबूतों के तौर पर पेश कर मीडिया ने कई स्टोरियाँ रचीं और खुद भी मनगढ़ंत आरोप-पर-आरोप लगाये। लेकिन कहते हैं न कि साँच को आँच नहीं। सत्यमेव जयते। 'गुजरात महिला आयोग' की जाँच में जो सत्य सामने आया, उसने अनर्गल, झूठे आरोप लगानेवाले अमृत प्रजापति, महेन्द्र चावला तथा उन्हींके आरोपों को दोहरानेवाले मीडिया की पोल खोलकर रख दी है। ❐

पूज्य बापूजी और आश्रम के खिलाफ जहर उगलनेवाले साँपों की हकीकत

– वरिष्ठ पत्रकार श्री अरुण रामतीर्थकर

पूज्य बापूजी पिछले ५० वर्षों से प्राणिमात्र के कल्याण में रत हैं। पूरे देश में बापूजी के अनेक आश्रम हैं । यहाँ आकर लोग दर्शन, सत्संग, साधना एवं समाजोत्थान व राष्ट्र-उत्थान के विविध सेवाकार्य करके अपने जीवन में सर्वांगीण उन्नति करते हैं। किसी भी तरह के वर्ण, जाति, धर्म, प्रांत या लिंग के भेदभाव के बिना करोड़ों लोग पूज्य बापूजी की अमृतवाणी व सेवा प्रवृत्तियों से लाभान्वित हो रहे हैं । इतने वर्षों में अगर ८-१० लोग, जो आश्रम से निकाले गये हैं, पैसों के लालच में षड्यंत्रकारियों का मोहरा बन के पूज्य बापूजी एवं आश्रम पर झूठे, अनर्गल आरोप लगायें तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

बापूजी एवं आश्रम के ऊपर झूठे आरोप लगानेवाले इन ८-१० बिकाऊ लोगों की झूठी, मनगढ़ंत बकवास को बढ़ा-चढ़ाकर दिखानेवाला मीडिया बापूजी के सैकड़ों आश्रमवासी एवं करोड़ों अनुयायी साधकों का अनुभव लोगों तक क्यों नहीं पहुँचाता ? इन्हें तो आश्रम में कोई बुराई नजर नहीं आयी बल्कि अनेक सकारात्मक अनुभव हुए हैं।

बापूजी एवं आश्रम पर आरोप लगानेवाले ये लोग किस चरित्र के हैं ? उनका पूर्व-जीवन क्या था इसको हम जानेंगे तो दुष्प्रचारक मीडिया का भी असली चेहरा बेनकाब होगा। दूध पीकर जहर उगलनेवाले साँप की तरह ये मीडिया में आकर आश्रम और बापूजी की बदनामी का दुष्प्रयास कर रहे हैं। वे आरोप लगा रहे हैं इसलिए हम उनके ऊपर आरोप लगा रहे हैं ऐसी बात नहीं है। उनकी करतूतों के पुख्ता सबूत हमारे पास हैं । उन्हें शीघ्र ही कानूनी कार्यवाही का भी सामना करना पड़ेगा। फिलहाल आश्रम पर आरोप लगानेवालों का असली चेहरा हम यहाँ पेश कर रहे हैं।

इससे पहले महेन्द्र चावला और अमृत प्रजापति के दुष्चरित्र और उनकी काली करतूतों को आपके सामने रखा था (पढ़ें 'ऋषि प्रसाद' पत्रिका, क्टूबर २०१३)। उसी शृंखला में कुछ और आस्तीन के साँपों के बारे में बता रहे हैं :

ब्रजबिहारी गुप्ता उर्फ आचार्य भोलानंद उर्फ ठग भोला

दुष्प्रचारकों की दो टके की टोली के सदस्य भोलानंद का असली नाम ब्रजबिहारी गुप्ता है। अपनी माँ को नंगी करके पीटनेवाला और 'बापू के खिलाफ बलात्कार की एफआईआर लिखवा वरना मैं तुझ पर बलात्कार करूँगा' - ऐसे अपनी जन्मदात्री माँ को कहनेवाला यह आदमी मानव नहीं, पशु भी नहीं, हैवान है !

ब्रजबिहारी ने माँ के साथ जो दुर्व्यवहार किया वह उसकी माँ और भाई ने हमें बताया है। इन बयानों की विडियो रिकॉर्डिंग भी है।

ब्रजबिहारी गुप्ता सन् २००० में आश्रम में आया था। आने के कुछ दिनों बाद ही इसने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। आश्रम में आनेवाली बहनों को गलत नजर से देखना, लोगों से झगड़ा करना, साधकों से पैसे ऐंठना आदि हरकतें वह करने लगा।

साधकों से उनके घर की समस्या दूर करने के बहाने इसने उनसे लाखों रुपये ऐंठ लिये। अपनी पोल खुलने पर यह घर भाग गया।

ब्रजबिहारी की कहानी उसकी माँ की जुबानी

ब्रजबिहारी गुप्ता की माँ ने बताया कि 'जब यह आश्रम से घर भाग आया तो बोला : ''मैं आश्रम से ५ लाख रुपये ले आया हूँ।'' आने के बाद उसने अपने पिताजी को बहुत मारा, मेरे को और छोटे भाई को भी खूब मारा। ३-४ दिन बाद

वह फिर आया और अपने पिताजी को उठाकर ले गया। कुछ दिनों बाद फिर आया, दरवाजा तोड़ा, मेरे को नीचे पटक-पटक के बहुत मारा और मेरे पूरे कपड़े खोल दिये फिर मेरे शरीर पर मिर्च लगायी और बोला : ''तेरे से बलात्कार करूँगा, नहीं तो तू बापू के बारे में यह कह दे कि बापू मेरे से बलात्कार करना चाहते थे।''

मैंने कहा : ''ऐसा झूठ मैं बिल्कुल भी नहीं बोलूँगी चाहे तू मेरे को फाँसी लगा दे।''

उसने मुझे लालच दिया कि ''मीडियावालों से मेरे को पैसे मिले हैं। उसमें से मैं तेरे को लाखों रुपये दूँगा, बस तू बापूजी को बदनाम कर दे। मीडियावालों ने कहा है कि तुम माताजी को इतना पैसा दो और 'हाँ' भरवा के आओ।'' मेरे मना करने पर वह बोला : ''बापू के साथ जो नहीं किया है वह भी करेंगे, हम वहाँ पहुँचायेंगे बापू को।''

और भी कुछ दावा किया था कि ''बापू को हम फाँसी पर लटका देंगे।''

छोटे भाई ने बतायी इसकी करतूतें

ब्रजबिहारी के छोटे भाई कृष्णमुरारी गुप्ता ने भी इसके दुष्चरित्र के बारे में बताया : ''मेरा भाई पिताजी के ऊपर ५ लाख रुपये का कर्जा छोड़ के आश्रम चला गया था। वह हमको पहले भी बहुत परेशान करता था और बाद में भी इसने किया।

२-३ साल बाद वापस आया। बोला कि ''मैं आश्रम से ५ लाख रुपये ले के आया हूँ।''

मैंने कहा : ''भाई ! तू धर्म का पैसा लेकर क्यों आ गया ?''

''मैं तो ले आया हूँ। अब मैं आश्रम नहीं जाऊँगा।'' फिर वह रामदेव बाबा के आश्रम में चला गया। जाने कितने-कितने आश्रमों में गया और वहाँ से पैसे ठग के लेकर आया। और कई लोगों को उसने पीटा भी है। १२-४-२०१० को उसने मेरे पिताजी को पीटा, २-४ दिन बाद उनको ले गया। इसने मेरे ऊपर केस डाल के बहुत तंग किया, फिर पिताजी को कहीं बोरे में डालकर मरवा दिया ऐसा बोलता है।

कई बार इसने जान से मारने की धमकियाँ दीं। मई में हमने इसको २७ लाख का प्लॉट दिया कि जान छूटे। ३ महीने बाद फिर हमको तंग करने लगा, बोला : ''बापू के खिलाफ मेरे को एक साजिश रचनी है। कोरे पन्ने पर तू दस्तखत कर दे। मैं अपने आप लिख लूँगा, तुमको लाखों रुपये मिल जायेंगे।''

मैंने कहा : ''हम नहीं लिखेंगे, बापूजी के नाम एक भी झूठा शब्द नहीं बोलेंगे।''

फिर उसने अनर्गल बातें, अश्लील गालियाँ फोन पर सुनायीं।''

पड़ोसियों ने खोले राज

एक पड़ोसी (राकेश कुमार) ने कहा : ''ब्रजबिहारी गुप्ता ने सफेद कुर्ता-पैजामा पहना हुआ था और काला नकाब बाँधा हुआ था। माँ और भाई को बहुत मारा।''

ब्रजबिहारी की माँ और उसके भाई के बयानों से इस हैवान का घृणास्पद रूप सामने आता है। ऐसा नीच आदमी मीडिया का विश्वासपात्र है और उसके झूठे, निराधार बयानों को मसाला लगाकर दिखा के मीडिया देशवासियों को भ्रमित कर रहा है, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है।

('अपने ही जाल में फँस गया भोलानंद' अवश्य पढ़िये पृष्ठ १०)

ईश्वर नायक

दूसरा खलनायक है ईश्वर नायक। आपको मालूम होगा, आश्रम पर लगाये गये आरोपों की जाँच करने के लिए न्यायाधीश डी.के. त्रिवेदी आयोग गठित किया गया था। ईश्वर ने पहले तो बापूजी और आश्रम पर बहुत सारे मनगढ़ंत आरोप लगाये लेकिन आयोग

के सामने उसे सच कहना पड़ा।

वह बोला : 'जब मैं अस्पताल में भर्ती था तो पूज्य बापूजी की सूचना के अनुसार मेरी पत्नी ने मंत्रजप किया था। इससे मुझे नवजीवन मिला था। पूज्य बापूजी बीमार व्यक्ति का उपचार करने के लिए कोई पैसा, वस्तु नहीं लेते हैं। आश्रम में आने से पहले मेरी और मेरे परिवार की मानसिक स्थिति बिगड़ी हुई थी। लेकिन आश्रम में आने के बाद मैं प्रफुल्लित और आनंदित हुआ। आश्रम के बड़ बादशाह (वटवृक्ष) की परिक्रमा करने से प्रश्नों के निराकरण हो जाते हैं, यह बात सच है, मैंने इसका अनुभव किया है।'

पहले अनर्गल, झूठे आरोप लगाना, जाँच आयोग के सामने सच्चाई स्वीकार करना और फिर मीडिया में जाकर वही-के-वही पहले झुठलाये हुए आरोप दोहराना, यह क्या है ?

अजय और हरेन्द्र

आश्रम और बापूजी पर काले धब्बे लगाने का निरर्थक प्रयास करनेवाले ये दो गद्दार हैं।

पहला अजय - यह नाममात्र का साधक था। आश्रम के दैवी कार्य में उसे थोड़ी-सी भी रुचि नहीं थी। अनेक गंदी आदतों में फँसने से उसे पैसे की जरूरत हमेशा रहने लगी। आश्रम में आनेवाले लोगों की श्रद्धा तोड़ना, अनाप-शनाप बातें करके लोगों को भ्रमित करने के काम वह करने लगा। इतना ही नहीं, बहनों के प्रति उसकी गलत नजर थी। उसके ऐसे आचरण के चलते पहले तो उसे चेतावनी दी गयी पर जब वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया तो उसे आश्रम से निकाल दिया गया। ऐसे शख्स की बातों पर कितना विश्वास किया जाय ?

आस्तीन का दूसरा साँप है टिहरी का हरेन्द्र। हाथरस (उ.प्र.) के बिलारा गाँव का रहनेवाला हरेन्द्र उत्तराखंड में शिक्षक था। आश्रम में आने से पहले वह बहुत गरीब था। बापूजी के नाम पर ट्यूशन चलाना, साधकों की दुकान से उधार समान लेकर बेचना - इस तरह से हेराफेरी करके इसने लाखों रुपये ठगे। ऐसी हरकतों के चलते इसे आश्रम से निकाल दिया गया और अब यह अनर्गल दुष्प्रचार करके अपनी औकात दिखा रहा है।

राहुल शर्मा

बापूजी, आश्रम और अपने परिवार को त्रस्त करने की मलिन मुरादें रखनेवाले राहुल शर्मा को पशु कहना भी पशुओं का अपमान होगा। यह मूल दिल्ली का निवासी है। जब यह आश्रम में रहता था तो सभीके साथ झगड़ा करना, झूठ बोलना तथा उसके अन्य कई दुर्गुण बार-बार सामने आये। इसके बाद उसे सख्त चेतावनी दी गयी लेकिन वह फिर भी सुधरा नहीं। तब उसे आश्रम से निकाल दिया गया। एक बहन ने उसके खिलाफ थाने में अभद्र व्यवहार की शिकायत की थी। पुलिस केस होने के बाद वह उत्तर प्रदेश में अपने गाँव भाग गया। पुलिस ने वहाँ जाकर उसे धर दबोचा और मुकदमा चलाया। ये महाशय ४ महीने जेल की हवा खा चुके हैं।

पूज्य बापूजी के शिष्यों की संख्या करोड़ों में है। उनमें से ये ८-१० लोग आश्रम व बापूजी के खिलाफ बोलते हैं। आश्रम में रहने के दौरान इन्हें बुरा अनुभव हुआ इसलिए ये लोग ऐसी बाते नहीं कर रहे हैं बल्कि ये खुद एड़ी से चोटी तक दुर्गुणों से भरे हैं इसलिए पूज्य बापूजी जैसे निर्दोष संत तथा मंगलमय और पवित्र वातावरणवाले आश्रम पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। अब आप ही विचार कीजिये कि ऐसे दुष्चरित्र, बिकाऊ लोगों के बेबुनियाद, कपोलकल्पित आरोपों की कीमत ही क्या है ! ❐

अपने ही जाल में फँसता जा रहा है भोलानंद

दैनिक जागरण, जम्मू । संत श्री आशारामजी आश्रम, जम्मू में बच्चों के दफन होने का झूठा आरोप लगानेवाले ब्रजबिहारी गुप्ता उर्फ विनोद कुमार उर्फ ठग भोला उर्फ आचार्य भोलानंद का जम्मू के विक्की कुमार ने भांडाफोड़ किया। विक्की कुमार ने भोलानंद द्वारा उससे फोन पर हुई बातचीत की सीडी, भोलानंद के फोन नम्बर तथा फोन की कॉल डिटेल पुलिस को सौंपी। फोरेंसिक जाँच रिपोर्ट में सीडी सही पायी गयी है। उस सीडी में भोलानंद विक्की को श्मशान घाट से बच्चों के कंकाल निकालकर बापूजी के जम्मू आश्रम में दबाने पर उसे खूब पैसे देने की बात कह रहा है। ठग भोला ने विक्की के साथ बातचीत में बापूजी के अन्य आश्रमों में भी गड़बड़ करने का दावा किया है। जम्मू पुलिस ने भोलानंद के विरुद्ध १२०-बी, १९४, २११, २९५, २९५-ए/३८३, १९५ और १९५-ए के तहत अपराध करने की साजिश रचना, अपराध के लिए दूसरों को उकसाने और किसी धर्मस्थान को नुकसान पहुँचाने का मामला दर्ज किया है।

कौन है शिवनाथ ?

हाल ही में शाहजहाँपुर (उ.प्र.) के शिवनाथ नाम के व्यक्ति ने पूज्य बापूजी और आश्रम पर झूठे आरोप लगाये। उसने मीडिया में यह भी कहा कि ''मैं आश्रम में ८ साल से रह रहा हूँ।'' परंतु वास्तविकता यह है कि शाहजहाँपुर आश्रम को बने हुए अभी ८ साल हुए ही नहीं हैं। शिवनाथ के झूठ-कपट से लथपथ चरित्र की अब पोल खुल गयी है। शिवनाथ घर में लड़ाई-झगड़े करता था। आरोप लगानेवाली लड़की के पिता ने उसे ३००० रुपये के वेतन पर आश्रम की चौकीदारी के लिए रखा था। आश्रम में काम करते हुए उसे अभी एक वर्ष भी नहीं हुआ था। इससे पहले वह लड़की के पिता के यहाँ नौकर था।

इन सभी तथ्यों से स्पष्ट होता है कि शिवनाथ निहायती फर्जी आदमी है और पैसों के लिए सरासर झूठे व मनगढ़ंत आरोप लगा रहा है।

आरोप बनावटी हैं

– वकील श्री गौतम देसाई

एक मुद्दा है कि १० साल के बाद यह एफआईआर की गयी है। कोई भी रेप केस हो तो उसमें मेडिकल सबूत बहुत जरूरी होता है। पहला सवाल तो यह है कि १० साल तक वह क्यों चुप बैठी ? दूसरी बात, १० साल के बाद जब उसने एफआईआर की है तो मेडिकल सबूत तो जीरो ही होनेवाला है। मेरा मानना है कि ऐसी स्थिति में जाँच एजेंसी द्वारा इस केस की अच्छी तरह से छानबीन होने के बाद ही धर-पकड़ वॉरंट या कुछ जारी होना चाहिए। इस केस में ऐसा कुछ हुआ नहीं है।

मीडिया का रुख ऐसा है कि लोगों तक जो केस की सच्चाई जानी चाहिए, उसमें बहुत रुकावट आ रही है लेकिन जीत तो कभी भी सच्चाई की ही होती है। ये सब आरोप गलत तरीके से एफआईआर दाखिल करने के लिए उपजाये हुए हैं, बनावटी हैं।

उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के बहुत सारे निर्णय हैं कि जब एफआईआर में देरी होती है तो उस देरी का स्पष्टीकरण देने की जवाबदारी फरियादी की या जाँच एजेंसी की होती है लेकिन इस एफआईआर में कहीं भी उसने अच्छी तरह से इस बात को स्पष्ट नहीं किया है। ❐

निर्दोष, निष्कलंक बापू

– श्री निलेश सोनी (वरिष्ठ पत्रकार)
प्रधान सम्पादक, 'ओजस्वी है भारत !'

किसीने ठीक ही लिखा है कि हिन्दू तो वह बूढ़े काका का खेत है, जिसे जो चाहे जब जोत जाय। हिन्दू समाज का नेतृत्व करनेवाले ब्रह्मज्ञानी संतों, महात्माओं, क्रांतिकारी प्रखर वक्ताओं पर कोई भी कुछ भी आरोप मढ़ देता है। अब तो दुष्प्रचार की हद हो गयी, जब ७४ वर्षीय पूज्य संत श्री आशारामजी बापू पर साजिशकर्ताओं की कठपुतली, मानसिक असंतुलनवाली कन्या द्वारा ऐसा घृणित आरोप लगवाया गया, जिसका कोई सिर-पैर नहीं। इससे देश-विदेश में फैले बापूजी के करोड़ों भक्तों व हिन्दू समाज में आक्रोश का ज्वालामुखी सुलग रहा है।

कुदरत के डंडे से कैसे बचेंगे ?

आरोप लगानेवाली लड़की की मेडिकल जाँच रिपोर्ट में दुष्कर्म की बात को नकार दिया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि यह सिर्फ बापूजी को बदनाम करने की सोची-समझी साजिश है लेकिन प्रश्न यह है कि करोड़ों भक्तों के आस्था के केन्द्र बापूजी के बारे में अपमानजनक एवं अशोभनीय आरोप लगाकर भक्तों की श्रद्धा, आस्था व भक्ति को ठेस पहुँचानेवाले कुदरत के डंडे से कैसे बच पायेंगे ?

व्यावसायिक हितों की चिंता

इन झूठे आरोपों के मूल में वे शक्तियाँ काम कर रही हैं, जो यह कतई नहीं चाहती हैं कि बापूजी की प्रेरणा से संचालित गुरुकुलों के असाधारण प्रतिभासम्पन्न विद्यार्थी आगे चलकर देश, संस्कृति व गुरुकुल का नाम रोशन करें। बापूजी के मार्गदर्शन में देशभर में चल रहे गुरुकुल आज कॉन्वेंट शिक्षण पद्धति के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं। एक तरफ कई व्यावसायिक संस्थाओं की लूट इस पहाड़ के नीचे आ रही है तो दूसरी तरफ इंटरनेट और अश्लील साहित्य सामग्री के जरिये देश के भविष्य को चौपट करने की सुनियोजित साजिश पर पानी फिर रहा है। ऐसे में गुरुकुलों पर इस तरह से कीचड़ उछाला जा रहा है कि माता-पिता बच्चों को गुरुकुल में भेजें ही नहीं।

चाहे धरती फट जाय तो भी सम्भव नहीं

पहले आश्रम पर थोकबंद आरोप लगाये गये मगर सभी झूठे, बेबुनियाद साबित हुए। तांत्रिक विद्या का मनगढ़ंत आरोप लगाया गया परंतु सर्वोच्च न्यायालय में इन आरोपों की हवा निकल गयी। इसलिए अब सीधे बापूजी के चरित्र पर ही कीचड़ उछालने लगे हैं। साजिशकर्ताओं के इशारे पर बकनेवाली लड़कियों ने बापूजी पर जैसा आरोप लगाया है, दुनिया इधर-की-उधर हो जाय, धरती फट जाय तो भी ऐसा सम्भव नहीं हो सकता है !

पूरा जीवन खुली किताब

बापूजी का पूरा जीवन खुली किताब की तरह है। उसका हर पन्ना और उस पर लिखी हर पंक्ति समाज का युग-युगांतर तक पथ-प्रदर्शन करती रहेगी। बापूजी कोई साधारण संत नहीं, वे असाधारण आत्मसाक्षात्कारी महापुरुष हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि हिन्दू चुपचाप सब सह लेता है। हमारी उदारता और सहिष्णुता का दुरुपयोग किया जाता है।

तभी तो महापुरुषों को बदनाम करने का षड्यंत्र चलता ही रहा है, फिर चाहे वे महात्मा बुद्ध, संत कबीर हों या शंकराचार्य श्री जयेन्द्र सरस्वती हों या फिर सत्य साँईं बाबा हों। आरोप लगानेवाले दुष्टों ने तो गुरु नानकदेवजी को दो बार जेल की सलाखों के पीछे भेजा था।

ऐसे में यह कल्पना कैसे की जा सकती है कि समाज को संगठित कर भारतीय संस्कृति की विश्व-क्षितिज पर पताका लहरानेवाले विश्ववंदनीय संत पर आरोप न लगाये जायें ? संत तो स्वभाव से ही क्षमाशील होते हैं लेकिन उनके भक्त अपमान बर्दाश्त करनेवाले नहीं हैं। झूठ के खिलाफ सत्य की यह धधकती मशाल अन्याय और अत्याचार के अँधेरे को कुचलकर ही रहेगी। ❐

पूज्य बापूजी व उनके परिवार पर आरोप एक काल्पनिक कहानी है

- वरिष्ठ अधिवक्ता श्री बी. एम. गुप्ता

पूज्य बापूजी के खिलाफ की गयी शिकायतों में ऐसा कोई सचोट आधारभूत कानूनी प्रमाण नहीं है, मात्र आरोप हैं। ५० वर्षों में भारतवर्ष की १२५ करोड़ बस्ती में से १०-२० लोग उठकर आरोप लगायें तो इसकी कोई कीमत नहीं गिनी जाती।

जब भी कोई शिकायत दर्ज हो तो पुलिस का कानूनी कर्तव्य है कि उसकी प्राथमिक जाँच करे। उसमें प्रथम दृष्ट्या सबूत मिलें तो गुनाह दर्ज करना चाहिए। यह अन्य अदालतों का भी निर्णय है। लेकिन इस केस में कोई भी प्राथमिक पूछताछ किये बिना सीधे गुनाह दर्ज हुआ है। यह कानून की तौहीन है।

केस बनता है तो पहले आरोपी को बुलाकर उनका स्पष्टीकरण लेना पड़ता है कि इस सबूत के बारे में आपका क्या कहना है। यह होने के बाद यदि ऐसा लगे कि आरोपी का स्पष्टीकरण ठीक नहीं है तो उसे गिरफ्तार करने का प्रश्न खड़ा होता है। तब तक कानूनी तौर पर किसीको गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। लेकिन खाकी वर्दी का उपयोग करके पुलिस रास्ते जाते हुए आदमी को भी गिरफ्तार कर सकती है। आप जाँच करो। 'आरोपी भगेड़ू है, भाग गया...' यह क्या है ? कहाँ भागे हैं ? कोई भागा नहीं है। शिकायतकर्ता की जिम्मेदारी है उनका केस साबित करने की, आरोपी की नहीं।

रेप के मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं होता। परिस्थितिजन्य सबूत के ऊपर यह केस आधारित होता है। इसमें चिकित्सकीय प्रमाण जरूरी है और वह इस किस्से में मिलेगा नहीं। दूसरा, शिकायतकर्त्री तथाकथित घटना के बाद सात साल तक आश्रम में रही है। जब उसके साथ उसकी मर्जी के विरुद्ध सात वर्ष तक ऐसी कथित घटना घटी तो वह सात साल तक आश्रम में क्यों रही ? यह बड़ा प्रश्न है। इसके अलावा वह एक वक्ता थी। अनेक राज्यों में वक्तव्य देने के लिए गयी थी। उसने किसी भी जगह इस घटना का उल्लेख नहीं किया और न किसीके भी साथ इस घटना के बारे में बात की। और आखिर १२ साल के बाद जोधपुर की कथित घटना खड़ी हुई तो उसके बाद इसने बोलना शुरू किया। यही तथ्य बताता है कि यह काल्पनिक कहानी है, इसके सिवाय कुछ नहीं।

प्रश्न : मुख्य सरकारी वकील सुखड़वाला का कहना है कि नारायाण साँईं की एफिडेविट पर उनके डुप्लिकेट हस्ताक्षर हैं।

गुप्ताजी : सरकारी वकील को क्या पता कि उनके हस्ताक्षर नहीं है ! सरकारी वकील के पास उनके मूल हस्ताक्षर हैं ? उसने कम्पेअर किये हैं ? ये सब झूठे आरोप हैं। यह नारायण साँईं या उनके परिवार के सदस्य ही कह सकते हैं कि ये उनके हस्ताक्षर हैं या नहीं। तीसरा व्यक्ति किस तरह कह सकता है कि ये उनके हस्ताक्षर नहीं हैं ?

पुलिस पूछताछ में क्या कार्यवाही होती है उसकी कोई भी जानकारी किसीको भी नहीं मिल सकती। इसलिए अभी जो भी प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आ रहा है, जो प्रचारित हो रहा है, वह सब भ्रामक है, सभी कल्पनाएँ हैं।

प्रश्न : इतने दिन की रिमांड में पुलिस उनसे कौन-कौनसी महत्त्वपूर्ण बातें बाहर निकलवा सकी है ?

गुप्ताजी : पुलिस कुछ भी नहीं निकलवा

पायी और कुछ निकलवा भी नहीं पायेगी। यह हकीकत है। इसलिए तो बार-बार रिमांड माँग रही है। और मैं कहता हूँ कि १० दिन की रिमांड माँग रही है तो १० दिन की दे दो। तो क्यों नहीं देते ?

(नारायण साँईं के केस के बारे में आगे कहते हैं)

कानून के निष्णात के नाते मैं बताता हूँ कि हर एक आरोपी को अपना सम्पूर्ण बचाव करने का अधिकार है और इस अधिकार पर कोई रोक नहीं लगा सकता। और कोई टिप्पणी नहीं कर सकता है कि 'निर्दोष हो तो हाजिर हो जाओ।' क्यों हाजिर हों वे अपने सभी अधिकारों का उपयोग करेंगे। ❐

अब तो आवाज बुलंद करो

पिछले दो महीनों से भारत के सारे टीवी चैनलों पर लगातार एक मुद्दा उठ रहा है और वह है आशाराम बापू पर आरोप का मामला। इस मामले में बिकाऊ मीडिया टीआरपी की हवस पूरी करने में जुटा है। इस अत्याचार के खिलाफ अगर कोई बोलेगा नहीं तो मीडिया एकतरफा हमला करके अपने मंसूबे में सफल हो जायेगा। हम तो इसके खिलाफ बोलेंगे क्योंकि यह अशोभनीय है, असहनीय है और अब अति हो गयी है। अब आप भी कायरता का नहीं पुरुषार्थ का परिचय देंगे और इस विषय पर आवाज उठायेंगे।

– सुरेश चव्हाणके, चेयरमैन, सुदर्शन चैनल

मेरठ की छात्रा के पिता ने बापू को दी क्लीन चिट

हिन्दुस्तान व दैनिक जागरण। मेरठ की जिस छात्रा को संत आशारामजी बापू की पीड़िता बताया जा रहा था, उसके पिता शैलेष शुक्ला ने मैनपुरी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बापू पर लगाये तमाम आरोपों को झूठा बताते हुए खुद को उनका भक्त बताया।

शैलेष शुक्ला ने कहा कि ''वे कहीं गायब नहीं हुए और न ही उनकी पत्नी और न उनके बच्चे कहीं गायब हैं। उनकी पुत्री आज भी छिंदवाड़ा स्थित संत श्री आशारामजी गुरुकुल में पढ़ रही है। उनके या उनकी पुत्री के साथ आशारामजी ने कोई गलत काम नहीं किया, न ही आशारामजी या उनके समर्थकों ने उन्हें कभी प्रताड़ित किया।'' शैलेष ने आशारामजी को अपना गुरु बताते हुए कहा कि ''शाहजहाँपुर निवासी जो लड़की आशारामजी पर आरोप लगा रही है, उसके परिवार के लोग उन पर दबाव बना रहे हैं कि 'वे (शैलेष) भी आशारामजी के खिलाफ उनका साथ दें।' जोधपुर पुलिस का जाँच अधिकारी दिन में उनसे १०-१० बार फोन करके आशारामजी के खिलाफ बयान देने का दबाव बना रहा है। इसी डर से वे परिवारसहित मेरठ से गाँव चले आये थे। कुछ दिनों के लिए वे वैष्णो देवी के दर्शन करने चले गये थे। अब वे परिवार के साथ अपने गाँव आ गये हैं।'' सिविल लाइन, मेरठ के इंस्पेक्टर अजय अग्रवाल ने भी इस बात की पुष्टि की कि 'जोधपुर पुलिस की पूछताछ से बचने के लिए ही शैलेष शुक्ला सपरिवार घर छोड़कर चला गया था।'

भाइयों के आरोप सही नहीं

मीडिया में खूब उछाला गया था कि आश्रम के लोगों ने ही उन्हें गायब किया है। इस आरोप की पोल खोलते हुए शैलेषजी ने कहा कि ''मेरे भाइयों के आरोप सही नहीं हैं। मैंने इस संबंध में मेरठ पुलिस से शिकायत की थी।'' उन्होंने आशारामजी के लोगों पर किसी तरह के प्रलोभन देने और धमकाने के आरोपों को नकार दिया। ❐

लड़की की कहानी विश्वास करने योग्य नहीं है

– सुप्रसिद्ध वरिष्ठ न्यायविद्
श्री राम जेठमलानी

केस झूठा है, लड़की को कुछ नहीं हुआ। यह असम्भव है कि उस कमरे में लड़की को कुछ हुआ हो। जैसा कि लड़की दावा कर रही है, जब उस रात ३ लड़के कमरे के बाहर बैठे थे और लड़की की माँ भी बैठी थी, उसी समय डेढ़ घंटे तक घटना घटी और माँ आयी थी अपनी बेटी का साथ देने, देखने के लिए कि क्या हो रहा है और उसने कुछ नहीं सुना ! यह कैसे सम्भव है ?

लड़की कमरे के बाहर आयी और माँ से मिली। दोनों साथ गयीं और लड़की के पिता से मिलीं। सभी फार्म के मालिक से मिले, उनके साथ रात को खाना खाया, सारी रात वे वहीं रुके। सुबह उनके साथ नाश्ता किया। फिर फार्म के मालिक ने (स्टेशन छोड़ने हेतु) कार की व्यवस्था की और तब तक किसीसे कोई भी शिकायत नहीं की गयी।

इन तथ्यों के आधार पर स्पष्ट होता है कि पूज्य बापूजी सही हैं और लड़की की कहानी विश्वास करने योग्य नहीं है।

मैं न्यायालय को समझाने की कोशिश कर रहा हूँ कि बापूजी को जमानत दी जानी चाहिए ताकि वे आगे के सबूत एकत्र कर सकें कि यह झूठा केस क्यों बनाया गया है। हमें कुछ सबूत मिले हैं पर अभी भी कुछ और सबूतों की जरूरत है क्योंकि जब मैं बापूजी के अनुयायियों से मिला तो उन्होंने खबर दी कि एफआईआर लिखवाने से पहले लड़की और उसके माता-पिता ऐसे कुछ राजनेताओं से मिले थे जो बापूजी से शत्रुता रखते हैं।

यह केस किसी भी तरह से खत्म नहीं हुआ है और अभियुक्त का बचाव विश्वसनीय है। हमको और बापूजी के अनुयायियों को भगवान से अवश्य प्रार्थना करनी चाहिए कि अभियोक्ता इस अभियोग की मूर्खता देख सकें। ❐

संत आशारामजी बापू के परिवार के साथ ज्यादती हो रही है

– सुदर्शन चैनल

पहले आशारामजी बापू फिर उनके बेटे, धर्मपत्नी और बेटी के ऊपर एफआईआर दर्ज की गयी है। आज मीडिया और उसके द्वारा दिखायी जा रही खबरों से कोई भी सभ्य समाज सहमत नहीं हो सकता। तंत्र-मंत्रों से लेकर सम्मोहन का जाल जैसी मनगढ़ंत बातों को पेश करके आशारामजी व उनके परिवार को निशाना बनाने के पीछे जो साजिश हो रही है, उससे मीडिया की एकतरफा रिपोर्टिंग और विदेशी घरानों के हाथों में खेलने की सच्चाई भी उजागर होने लगी है। मीडिया में जो सनसनीखेज खबरें पेश की जा रही हैं, उनको लेकर सर्वोच्च न्यायालय के न्या. श्री आर. एम. लोढ़ा और ए. के. पटनायक की खंडपीठ ने चिंता जतायी थी।

इससे पहले भी सर्वोच्च न्यायालय मीडिया को अदालत से जुड़े मामलों को सनसनीखेज तरीके से पेश करने और सुनवाई के दौरान अदालत की टिप्पणियों पर संदर्भ से हटकर मतलब निकालने पर जमकर फटकार लगा चुका है। न्या. जे. एम. पांचाल और ए. के. पटनायक की खंडपीठ ने कहा था कि मीडिया को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास होना चाहिए। मगर मीडिया पर न तो अदालत की फटकार का असर है और न ही खुद की जिम्मेदारी का भान। न्यूज ब्रोडकास्टिंग एसोशिएशन व इंडियन ब्रोडकास्टिंग फेडरेशन हर एक चैनल पर निगरानी रखने का दावा करता है लेकिन उन्हें बार-बार शिकायत करने के बावजूद इस बारे में दिशानिर्देश तो दूर, कोई चर्चा तक नहीं की जाती है। तमाम आईटीसी और सीआईटीसी की धाराओं की धज्जियाँ उड़ रही हैं, मगर न तो सरकार कोई गम्भीरता दिखा रही है और न ही उपरोक्त संस्थान। ❐

सब्जियों द्वारा स्वास्थ्य-सुरक्षा

मेथी

मेथी को ताजा, सुखाकर या इसके बीजों को अंकुरित करके उपयोग में लाया जाता है। इसका पाक सर्दियों में बल तथा पुष्टि वर्धक होता है।

मेथी की भाजी कड़वी, गर्म, पित्तवर्धक, हलकी, रक्तशुद्धिकर, मल-मूत्र साफ लानेवाली, हृदय के लिए बलप्रद, अफरा, उदर-विकार, संधिवात, शारीरिक दर्द तथा वायुदोष में अत्यंत हितकर है। यह माता के दूध को बढ़ाती है।

✻ प्रमेह में रोज १-२ चम्मच मेथी-दाने पानी में भिगोकर सब्जी बनाकर या मेथी-दाने का चूर्ण पानी के साथ लेने से लाभ होता है। मेथी के पत्तों की सब्जी भी लाभदायी है।

✻ पाचन-तंत्र की कमजोरी तथा शौच-संबंधी तकलीफों में चौथाई कप मेथी के पत्तों के रस में १ चम्मच शहद मिलाकर लेने से अत्यधिक लाभ होता है।

✻ मेथी के पत्तों का रस बालों में लगाने से रूसी व बालों का झड़ना कम होता है, बाल काले व मुलायम बनते हैं। साबुन का उपयोग न करें।

✻ इसके नियमित सेवन से महिलाओं में खून की कमी नहीं होती।

सावधानी : पित्त-प्रकोप, अम्लपित्त, दाह में मेथी न खायें।

पालक

गुणों की दृष्टि से पालक सभी भाजियों में श्रेष्ठ है। इसमें प्रचुर मात्रा में विटामिन 'ए', 'बी', 'सी', 'ई', प्रोटीन-उत्पादक 'एमिनो एसिड' तथा अन्य खनिज पदार्थ पाये जाते हैं।

पालक शीतल, शोथहर (सूजन मिटानेवाली), मूत्रल, पेट साफ करनेवाली, वायुवर्धक, श्वास, कफ, पित्त व रक्तविकार शामक, रक्तवर्धक तथा शोधक है। यह हड्डियों की मजबूती व शारीरिक विकास में सहायक है।

औषधीय प्रयोग

✻ सभी प्रकार के मूत्र-विकारों में चौथाई कप पालक-रस में एक हरे नारियल का पानी मिला के सुबह-शाम खाली पेट पियें।

✻ कफ जमने पर पालक के पत्तों की चाय बनाकर पियें।

सावधानी :

✻ पालक को गर्म पानी से धोकर प्रयोग करें।

✻ वायु प्रकृति के लोग इसका सेवन न करें।

हिन्दू आस्था पर कुठाराघात का राजनैतिक षड्यंत्र

– जगन्नाथपुरी मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य श्री निश्चलानंद सरस्वतीजी

राजनैतिक षड्यंत्र के तहत ही हिन्दू आस्था, हिन्दू मानबिंदुओं व हिन्दू संतों पर कुठाराघात किया जा रहा है। दिशाहीन राजनीति के चलते देश समस्याओं से जूझ रहा है। मठ-मंदिरों में सरकार कब्जा जमाने का प्रयास कर रही है। सरकार अपने राजनैतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए अब हिन्दू संतों को अपना निशाना बना रही है। संत आशारामजी बापू के मामले में जल्द ही दूध-का-दूध और पानी-का-पानी हो जायेगा।

पूज्य बापूजी बाहर आयेंगे तो बड़ौदा में देवउठी एकादशी के सत्संग-कार्यक्रम में संत-सम्मेलन होगा।

निर्दोष पूज्य बापूजी की रिहाई के लिए देश-विदेश में हो रहे हैं सम्मेलन, जप, यज्ञ, विरोध-प्रदर्शन आदि

विश्वमानव का मंगल चाहने और करने वाले पूज्य बापूजी पर हो रहा अत्याचार बंद हो एवं उनके खिलाफ चल रहे बोगस केस जल्द-से-जल्द खारिज करके पूज्य बापूजी को रिहा किया जाय - इस उद्देश्य से देश-विदेश में श्री योग वेदांत सेवा समितियों, युवा सेवा संघों, महिला उत्थान मंडलों एवं विभिन्न धार्मिक संगठनों के अलावा करोड़ों साधकों द्वारा पिछले ५० दिनों से रैलियों एवं धरना-प्रदर्शनों के साथ जप एवं यज्ञ सतत किये जा रहे हैं ।

कैलिफोर्निया (यूएसए), कनाडा, जयपुर, बाड़मेर, पुष्कर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, सागवाड़ा, आमेट (राजस्थान), बदलापुर जि. ठाणे, गोरेगाँव-मुंबई, धुलिया, सोलापुर, अकोला, नासिक, अमलनेर, जामनेर, जलगाँव, गोंदिया, नंदुरबार, पुणे, अंजनगाँव, अमरावती, अहमदनगर, यवतमाल, प्रकाशा, लातूर, भुसावल, नागपुर, भंडारा, वर्धा (महाराष्ट्र), छिंदवाड़ा, रतलाम, सागर, बालाघाट, भोपाल, बड़गाँव जि. खरगोन, इंदौर, ग्वालियर, देवास, शाजापुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, विदिशा, जबलपुर, बैतूल, हरदा, गुना, दमोह, शहडोल, सिहोर, राजगढ़ (म.प्र.), अम्बाला, फरीदाबाद (हरियाणा), बरेली, जौनपुर, आगरा, उझानी, मुरादाबाद, हरदोई, बलिया, बाराबंकी, सुल्तानपुर, गोरखपुर, बस्ती, सीतापुर, लखीमपुर, सिधौली, कानपुर, शक्तिनगर, भदोही, केराकत, झाँसी, लखनऊ, इलाहाबाद, एटा, अलीगढ़, बदायूँ, गाजियाबाद, हापुड़, सहारनपुर (उ.प्र.), हिम्मतनगर, बड़ौदा, भावनगर, सूरत, पुरेनिया, बारडोली, सूरत, भरूच, अंकलेश्वर, भैरवी, राजकोट, अहमदाबाद, गांधीधाम, वलसाड (गुजरात), रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, थानखमरिया, राजनांदगाँव, कवर्धा, बेमेतरा, धमतरी, चिरमिरी, कोरबा, भाटापारा, बेलौदी जि. दुर्ग (छ.ग.), हरिद्वार, काशीपुर, देहरादून, ऋषिकेश (उत्तराखंड), राँची, जमशेदपुर (झारखंड), लुधियाना, जालंधर, पटियाला, राजपुरा, भटिंडा, फिरोजपुर, सुजानपुर, कपूरथला, होशियारपुर, मुकेरियाँ, पठानकोट, फाजिल्का, गोविंदगढ़, चंडीगढ़, पंचकुला (पंजाब), भुवनेश्वर, राउरकेला (ओड़िशा), पटना, सासाराम, मुजफ्फरपुर (बिहार), सोलन, पौंटा साहिब (हि.प्र.), बैंगलोर, बेलगाम, गुलबर्गा (कर्नाटक), निजामाबाद, तांदूर, विजयवाड़ा, विशाखापट्टनम (आं.प्र.), दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, जम्मू, गोवा आदि स्थानों पर जप एवं हवन सतत जारी है ।

भारतीय संस्कृति, हिन्दू साधु-संतों एवं मातृभूमि के प्रति दृढ़ निष्ठा रखनेवाले देशवासियों के हृदय बापूजी के खिलाफ चल रहे भीषण षड्यंत्र व कूटनीति को देखकर अत्यंत पीड़ित हो रहे हैं । ऐसे संस्कृतिप्रेमियों एवं विभिन्न धर्मों व सम्प्रदायों के साधु-संतों द्वारा देशभर में जगह-जगह सभीको एकजुट करने हेतु संत-सम्मेलनों एवं जन-सत्याग्रहों का आयोजन हो रहा है ।

२८ सितम्बर को **जंतर-मंतर, दिल्ली** में श्री सुरेशानंदजी व विभिन्न संतों की उपस्थिति में एवं **चंडीगढ़** में श्री नारायण साँईंजी एवं विभिन्न संतों की उपस्थिति में पूज्य बापूजी के समर्थन में **'जन-सत्याग्रह व विशाल संत-सम्मेलन'** हुआ ।

२८ सितम्बर को ही **श्रीरामपुर, जि. अहमदनगर (महा.)** में आयोजित संत-सम्मेलन में सरलाबेट के मठाधिपति एवं जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर श्री रामगिरिजी महाराज, श्रीक्षेत्र देवगढ़ संस्थान के मठाधिपति भास्करगिरिजी महाराज, पंचदशनाम अखाड़ा के साँईं सिद्धगिरिजी महाराज, हिन्दू जनजागृति समिति के महाराष्ट्र

प्रवक्ता सुनील घनवट, सुनील गिरिजी महाराज तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल आदि के अनेक पदाधिकारियों ने एक स्वर में बापूजी पर हो रहे षड्यंत्र के खिलाफ आवाज बुलंद की। अदिलाबाद, आंध्र प्रदेश में भी संत-सम्मेलन का आयोजन किया गया।

२ अक्टूबर को **राजनांदगाँव (छ.ग.)** में **'विशाल हिन्दू विचार सभा'** का आयोजन किया गया, जिसमें विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष श्री सुभाष अग्रवाल तथा जिला अध्यक्ष श्री मधुसूदन शुक्ला, कबीर आश्रम के श्री कुमार साहेब, शिवानंद आश्रम के स्वामी श्री विद्यानंद सरस्वतीजी, स्वदेशी जागरण मंच के नरेन्द्र ठाकुर और अमलेंदु हाजरा आदि सभीने एकजुट होकर इस षड्यंत्र का विरोध किया।

छत्तीसगढ़ में बालोद, धमतरी, भाटापारा, बिलासपुर, कोरबा, राजनांदगाँव, भिलाई, बेमेतरा, कवर्धा, नंदिनीनगर, अहिवारा, राजिम में साधक-सम्मेलन का आयोजन हुआ। रायपुर में प्रदेश स्तरीय विराट साधक-सम्मेलन का आयोजन किया गया।

समाज तक सच्चाई पहुँचे और कुप्रचारकों की मनगढ़ंत, झूठी कहानियों से भोली जनता गुमराह न हो इस हेतु **ओड़िशा** में **६ अक्टूबर** को **सहजबहल जि. सुंदरगढ़, ७ अक्टूबर** को **सुंदरगढ़, ८ अक्टूबर** को **बृजराजनगर, ९ अक्टूबर** को **केओंजर, १० अक्टूबर** को **जगन्नाथपुरी** आदि स्थानों पर **संत-सम्मेलन** आयोजित हुए। इनमें निरंजनी अखाड़ा के अवधूत महामंडलेश्वर श्री स्वात्मबोधानंद पुरीजी महाराज (हरिद्वार), वैष्णव सम्प्रदाय एवं दिगम्बर अखाड़ा के हरिदासजी महाराज (अयोध्या), कथावाचक फूल कुमार शास्त्रीजी (जम्मू), दादू पंथ सम्प्रदाय अखाड़ा के श्रवण रामजी (जेतारण, जोधपुर), ओमकारानंदजी (सुंदरगढ़), बलरामदासजी महाराज तथा मनोजानंदजी महाराज आदि संतों ने बापूजी के खिलाफ हो रहे अन्याय के विरुद्ध आवाज उठायी।

देश के विभिन्न स्थानों पर पूज्य बापूजी के समर्थन में रैलियाँ एवं धरना-प्रदर्शन समय-समय पर किये जा रहे हैं। जंतर-मंतर, दिल्ली तथा जम्मू में संस्कृतिप्रेमी जनता द्वारा धरना-प्रदर्शन निरंतर जारी है।

स्थानाभाव के कारण सभी स्थानों के नाम यहाँ नहीं दे पा रहे हैं। अन्य अनेक स्थानों के हवन एवं रैलियों आदि की तस्वीरें आप इसी पत्रिका के मुखपृष्ठों एवं आश्रम की वेबसाइट www.ashram.org पर अवश्य देखें। ❐

पुण्यदायी तिथियाँ

१ नवम्बर : धनतेरस, यम दीपदान

२ नवम्बर : नरक चतुर्दशी

३ नवम्बर : दीपावली, स्वामी रामतीर्थ जयंती एवं पुण्यतिथि (तिथि अनुसार)

४ नवम्बर : वि.सं. २०७० नूतन वर्षारम्भ (गुज.-महा.), अन्नकूट, बलि प्रतिपदा (वर्ष के साढ़े तीन शुभ मुहूर्तों में से आधा।)

५ नवम्बर : भाईदूज

१० नवम्बर : गोपाष्टमी

११ नवम्बर : ब्रह्मलीन भगवत्पाद साँईं श्री लीलाशाहजी महाराज महानिर्वाण दिवस, अक्षय-आँवला नवमी

१३ नवम्बर : देवउठी-प्रबोधिनी एकादशी (जप-दान अक्षय फलदायी। विष्णुजी की कपूर से आरती करने पर अकाल मृत्यु नहीं होती)

१६ नवम्बर : विष्णुपदी संक्रांति (पुण्यकाल : सूर्योदय से दोपहर ११-५० तक)

२४ नवम्बर : रविवारी सप्तमी (सुबह ९-४९ से २५ नवम्बर सूर्योदय तक)

२९ नवम्बर : उत्पत्ति एकादशी (सर्व विघ्नविनाशक तथा सर्व सिद्धि व मोक्षप्रदायक)

२ दिसम्बर : सोमवती अमावस्या (सुबह ८-५५ से ३ दिसम्बर प्रातः ५-५३ तक)

बहुत बड़े षड्यंत्र की बू आ रही है

गत दो महीनों से पूज्य बापूजी पर लगाये जा रहे सभी आरोप झूठे व मनगढ़ंत हैं। मैं भी एक माँ हूँ। यदि मेरी बेटी डेढ़ घंटे तक किसीके कमरे में बंद हो जाय और लाइट भी बंद किये गये हों तो क्या मैं उससे कुछ भी पूछे बिना रहूँगी ? अगर मुझे उसका जवाब संतोषप्रद नहीं लगा तो मैं उसकी जाँच करूँगी। और उसके साथ अगर वास्तव में कुछ गलत हुआ है तो उसी समय थाने में रिपोर्ट भी लिखवाऊँगी। लेकिन यहाँ तो ५ दिन बाद रात को २-४५ बजे रिपोर्ट लिखवायी गयी है। इतनी रात को तो मैं अपनी बेटी को थाने ले जाने की हिम्मत भी नहीं कर सकती।

एक इज्जतदार माँ के रूप में मैं यह कहना चाहूँगी कि इस केस में मुझे एक बहुत बड़े षड्यंत्र की बू आ रही है। आजकल लोग पैसे के लिए कुछ भी कर सकते हैं फिर ऐसा करना कौन-सी बड़ी बात है !

– डॉ. अनीता शर्मा
महिला उत्थान मंडल, प्रभारी (छ.ग.)

यह एक सोची-समझी साजिश है

मैं एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ हूँ। पूज्य बापूजी से १९९९ में दीक्षा लेने के बाद मैंने गर्भपात करना बंद कर दिया। मेरे पति भी डॉक्टर हैं, वे बहुत ज्यादा मांस खाते थे परंतु पूज्य बापूजी से भगवन्नाम की दीक्षा लेने के बाद उनकी मांस खाने की आदत छूट गयी। दीक्षा लिये १४ साल हो गये उन्होंने इस बीच कभी मांस नहीं खाया।

पूज्य बापूजी पर पिछले ५ सालों से जो झूठे आरोप लगाये जा रहे हैं वे सभी निराधार हैं। यह सब विदेशी ताकतों व बिकाऊ मीडिया की सोची-समझी साजिश है। इससे हमारी श्रद्धा, भक्ति, विश्वास पर कोई असर होनेवाला नहीं है पर निर्दोष पूज्य बापूजी व उनके परिवार पर इस प्रकार के झूठे व बेबुनियाद आरोपों के बाद हम सब बहुत व्यथित हैं। बापूजी के लिए, देश के भविष्य के लिए हम सब बहुत चिंतित हैं।

ईश्वर से यही प्रार्थना है कि हिन्दू संस्कृति की रक्षा हो, भारत देश की रक्षा हो।

– डॉ. अनीता हरवानी
एमबीबीएस, पीजीडीएमसीएच
अमरावती (महा.) ❐

सच्चे पथिक कभी भटकते नहीं

- पूज्य बापूजी

समाज जब किसी ज्ञानी संतपुरुष की शरण, सहारा लेने लगता है तब राष्ट्र, धर्म व संस्कृति को नष्ट करने के कुत्सित कार्यों में संलग्न असामाजिक तत्त्वों को अपने षड्यंत्रों का भंडाफोड़ हो जाने का एवं अपना अस्तित्व खतरे में पड़ने का भय होने लगता है। ये असामाजिक तत्त्व अपने विभिन्न षड्यंत्रों द्वारा संतों व महापुरुषों के भक्तों व सेवकों को भी गुमराह करने की कुचेष्टा करते हैं। समझदार साधक या भक्त तो उनके षड्यंत्रजाल में नहीं फँसते, महापुरुषों के दिव्य जीवन के प्रतिपल से परिलक्षित उनके सच्चे अनुयायी कभी भटकते नहीं, पथ से विचलित होते नहीं अपितु और अधिक श्रद्धायुक्त हो उनके दैवी कार्यों में अत्यधिक सक्रिय व गतिशील होकर सद्भागी हो जाते हैं लेकिन जिन्होंने साधना के पथ पर अभी-अभी कदम रखे हैं ऐसे कुछ नवपथिक गुमराह हो जाते हैं और इसके साथ ही आरम्भ हो जाता है नैतिक पतन का दौर, जो संतविरोधियों की शांति और पुण्यों को समूल नष्ट कर देता है। लेकिन संतों के जीवित सान्निध्य में उनका सत्संग-ज्ञान जिसने पचाया उसकी तो बात ही कुछ और होती है।

(ऋषि प्रसाद, जनवरी १९९५ से) ❐

पिछले दो महीनों से हो रहे दुष्प्रचार के बावजूद निर्दोष बापूजी के समर्थन में उतरे करोड़ों लोगों द्वारा देशभर में सतत हो रही रैलियों की थोड़ी झलकियाँ

लुधियाना (पंजाब)

भीनमाल (राज.)

आगरा (उ.प्र.)

राजकोट (गुज.)

नासिक (महा.)

जोधपुर (राज.)

छिंदवाड़ा (म.प्र.)

मुजफ्फरपुर (बिहार)

दुर्ग (छ.ग.)

बाड़मेर (राज.)

बड़ौदा (गुज.)

बिलासपुर (छ.ग.)

रायपुर (छ.ग.)

सोलापुर (महा.)

राऊरकेला (ओड़िशा)

काशीपुर (उत्तराखंड)

बलिया (उ.प्र.)

दमोह (म.प्र.)

यवतमाल (महा.)

बलौदा-बाजार (छ.ग.)

सिरोही (राज.)

स्थानाभाव के कारण सभी तस्वीरें नहीं दे पा रहे हैं। अन्य अनेक तस्वीरों हेतु वेबसाइट www.ashram.org देखें।

RNI No. 66693/97
RNP No. GAMC-1253-A/2012-14
Issued by SSP-AHD
Valid upto 31-12-2014
LWPP No. CPMG/GJ/45/2012
(Issued by CPMG GUJ. valid upto 30-06-2014)
Permitted to Post at AHD-PSO
from 18th to 25th of E.M.
Publishing on 15th of every month

निर्दोष पूज्य बापूजी की शीघ्र रिहाई के लिए देश के विभिन्न स्थानों पर हो रहे सैकड़ों महायज्ञों की थोड़ी झलक

स्थानाभाव के कारण सभी तस्वीरें नहीं दे पा रहे हैं। अन्य अनेक तस्वीरों हेतु वेबसाइट www.ashram.org देखें।